

(संस्था चान्द लोहनी)  
संयुक्त सचिव

1. सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड।
2. प्रमुख सचिव, विधान सभा, उत्तराखण्ड।
3. सचिव, लोक सेवा आयोग, उत्तराखण्ड, हरिद्वार।
4. निदेशक, एनओडॉसी१०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
5. सचिवालय के समस्त अनुभाग।
6. गार्ड फाईल।
7. निदेशक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री कडकी, हरिद्वार को अधिसूचना की अगुजी प्रति सहित संलग्न करते हुए इस अनुरोध के साथ प्रेषित कि कृपया उक्त अधिसूचना को असाधारण गजट विधायी परिशिष्ट भाग-४ खण्ड-क में मुद्रित करा कर इसकी २५ प्रतियां कार्मिक विभाग को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

प्रति:-  
विनियमावली, २०११ की प्रति निम्नलिखित को सूचनाएँ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रख्यापित "उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग लेखाकार एवं सहायक लेखाकार अध्यायन संख्या-३८४/XXX (२) / २०११ दिनांक १६ मार्च २०११ द्वारा

उत्तराखण्ड शासन  
कार्मिक अनुभाग-२  
संख्या-३८४/XXX (२) / २०११  
देहरादून: दिनांक १६ मार्च, २०११

आदेशों के अधीन स्थायी रूप से पद पर नियुक्त व्यक्ति अभिप्रेत है;

- (ख) 'सेवा का सदस्य' से इस विनियमावली के प्रारम्भ से पूर्व प्रवृत्त इस विनियमावली या  
(घ) 'राज्यपाल' से उत्तराखण्ड के राज्यपाल अभिप्रेत है;  
(ङ) 'सरकार' से उत्तराखण्ड राज्य की सरकार अभिप्रेत है;  
(घ) 'संविधान' से 'भारत का संविधान' अभिप्रेत है;  
(ग) 'आयोग' से उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग अभिप्रेत है;

के अधीन भारत का नागरिक हो या भारत का नागरिक समझा जाता है;

- (ख) 'भारत का नागरिक' से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है, जो "भारत का संविधान" के भाग II  
(क) 'नियुक्ति प्राधिकारी' से सचिव, उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग अभिप्रेत है;  
जब तक कि विषय या संदर्भ में कोई बात प्रतिकूल न हो, इस विनियमावली में -

परिभाषाएं

3.

सम्मिलित है।

सेवा से उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग लेखा संवर्ग अभिप्रेत है, जिसमें समूह 'ग' के पद

2.

सेवा की प्रस्थिति

(2) यह प्रस्ताव प्रवृत्त होगी।

लेखाकार विनियमावली, 2011 है।

1. (1) इस विनियमावली का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग लेखाकार एवं सहायक

प्रारम्भ

संक्षिप्त नाम और

1.

सामान्य

भाग 1

उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग लेखाकार एवं सहायक लेखाकार विनियमावली, 2011

समस्त विद्यमान विनियमों और आदेशों का अधिकमण करते हुए उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग लेखाकार एवं सहायक लेखाकार  
राज्यपाल, "भारत का संविधान" के अनुच्छेद 318 के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग तथा इस विषय में  
के सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की भर्ती तथा सेवा शर्तों को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित विनियमावली बनाते हैं :-

अधिसूचना

उत्तराखण्ड शासन  
कार्मिक अनुभाग-2  
संख्या-384/XXX(2)/2011  
देहरादून: दिनांक: 16 मार्च, 2011

I

अनुसार किया जायेगा।

अन्य श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण भर्ती के समय प्रवृत्त सरकार के आदेशों के अनुसार राज्य की अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्गों तथा

आरक्षण

6.

उत्तीर्ण कर लेने पर विभागीय चयन समिति के माध्यम से प्रोत्साहित द्वारा।

दिवस को इस रूप में कम से कम 05 वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, विभागीय परीक्षा

(2) **लेखाकार-मौलिक** रूप से नियुक्त सहायक लेखाकारों में से, जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम

(1) **सहायक लेखाकार-आयोग** के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा।

सेवा में विभिन्न श्रेणियों के पदों की भर्ती निम्नलिखित शर्तों से की जायेगी:-

5.

भर्ती का स्रोत

**भर्ती**

**भाग 3**

(ख) राज्यपाल ऐसे खाई अथवा अस्थाई पद सृजित कर सकते हैं जैसा वे उचित समझें।

को इस प्रकार प्राथमिकता कर सकेंगे, कि कोई व्यक्ति प्रतिपूर्ति का हकदार नहीं होगा;

(क) नियुक्ति प्राथमिकता किसी रिक्त पद को खाली छोड़ सकेंगे अथवा राज्यपाल किसी पद

परन्तु यह कि-

गयी है:

अधीन पारित आदेशों द्वारा परिवर्तन न किया जाय, उतनी होगी, जो **परिशिष्ट 'क'** में दी

(2) सेवा में कर्मचारियों तथा उसमें प्रत्येक श्रेणी के पदों की संख्या जब तक उपनिर्णय (1) के

समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित की जाय।

(1) सेवा में कर्मचारियों तथा उसमें प्रत्येक श्रेणी के पदों की संख्या उतनी होगी, जितनी

4.

सेवा का संवर्ग

**संवर्ग**

**भाग 2**

भास की अवधि अभिप्रेत है।

(अ) **'भर्ती का वर्ष'** से कैलेण्डर वर्ष के जुलाई के प्रथम दिवस से आरम्भ होने वाली बारह

विहित प्रक्रिया के अनुसार चयन के पश्चात् की गयी हो, तथा

विनियम न हो तो सरकार द्वारा जारी किये गये कार्यपालक आदेशों द्वारा तत्समय

तदर्थ नियुक्ति न हो और नियमानुसार चयन के पश्चात् की गयी हो और यदि कोई

(ख) **मौलिक नियुक्ति** से सेवा के संवर्ग में किसी पद पर ऐसी नियुक्ति अभिप्रेत है, जो

(ग) **'सेवा'** से उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग लेखा संवर्ग अभिप्रेत है;

(ख) देवनागरी लिपि में हिन्दी का ज्ञान।

होना आवश्यक है;

(क) बी.काम या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एकादमिस्ती तथा कम्प्यूटर संवाहन में ओ लेवल का सॉर्टीफिकेट, जिसमें कम्प्यूटर पर 5000 की-डिप्रेशन प्रशिक्षण की गति

सहायक लेखाकार-

चाहिए :-

सेवा में विभिन्न पदों की नियुक्ति के लिए अभ्यर्थी के पास निम्नलिखित अर्हताएं होनी

8. शैक्षणिक अर्हता

पक्ष में जारी कर दिया जाय।

टिप्पणी- जिस अभ्यर्थी के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, किन्तु उसे न तो जारी दिया जा सकता है और उसे अनन्तिम रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है। किन्तु प्रतिबन्ध यह है कि उसके द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया जाय या उसके किया गया हो और न ही नामजूर किया गया हो, उसे परीक्षा या साक्षात्कार में प्रवेश किया गया हो और न ही नामजूर किया गया हो, किन्तु उसे न तो जारी

सेवा में रखा जा सकेगा।

एक वर्ष से अधिक अवधि के बाद उसके द्वारा भारत की नागरिकता प्राप्त करने पर प्रमाण-पत्र एक वर्ष से अधिक के लिए जारी नहीं किया जायेगा और ऐसे अभ्यर्थी को आवश्यक होना परन्तु यह भी कि यदि अभ्यर्थी उक्त श्रेणी (ग) से सम्बन्धित है महानिरीक्षक अभिसूचना शाखा, उत्तराखण्ड द्वारा प्रदत्त पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करना परन्तु यह और कि श्रेणी (ख) से सम्बन्धित अभ्यर्थी के लिए भी पुलिस उप

होना जिसके पक्ष में राज्य सरकार द्वारा पात्रता प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो;

परन्तु यह कि उक्त श्रेणी (ख) और (ग) से सम्बन्धित अभ्यर्थी वह व्यक्ति

तांत्रिकीय और जंजीबार) के पूर्वी अफ्रीकी देशों से प्रवाहन किया हो;

(ग) भारतीय मूल का व्यक्ति जिसने भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से पालिस्तान, बर्मा, श्रीलंका तथा केन्या, युगाण्डा और संयुक्त राज्यानिद्या गणराज्य (पूर्ववर्ती

से पहले भारत आया हो, होना चाहिए; या

(ख) विद्यती शरणार्थी, जो भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से 01 जनवरी, 1962

(क) भारत का नागरिक हो; या

सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती के लिए यह आवश्यक है कि अभ्यर्थी-

7. राष्ट्रीयता

अर्हता

भाग 4

9. अधिमात्री अर्हता  
अभ्यासी, जिसने—  
(1) प्रादेशिक सेना में कम से कम दो वर्ष सेवा की हो, या  
(2) नेशनल कैडेट कोर का 'बी' प्रमाण-पत्र प्राप्त किया हो, उसे अन्य बातें समान होते हुए भी सीधी भर्ती के मामले में अधिमान दिया जायेगा।
10. आयु  
सीधी भर्ती के लिए अभ्यासी की आयु यदि पद 01 जनवरी से 30 जून की अवधि के दौरान विज्ञापित किये जाते हैं तो जिस वर्ष भर्ती की जाती है, उस वर्ष की 01 जनवरी को 21 वर्ष और अधिक से अधिक 35 वर्ष होनी चाहिए और यदि पद 01 जुलाई से 31 दिसम्बर की अवधि के दौरान विज्ञापित किये जाते हैं तो उस वर्ष की 01 जुलाई को 21 वर्ष और अधिक से अधिक 35 वर्ष होनी चाहिए;
11. वरिष्ठ  
सेवा के किसी पद पर सीधी भर्ती के लिए अभ्यासी का वरिष्ठ ऐसा होना चाहिए, जिससे वह सरकारी सेवा की नौकरी के लिए सर्वथा उपयुक्त हो। नियुक्ति प्राधिकारी इस विषय में टिप्पणी—संघ सरकार या राज्य सरकार अथवा संघ सरकार से स्वाभिमन में अथवा नियंत्रणाधीन किसी स्थानीय प्राधिकरण या निगम या निकाय द्वारा पदच्युत व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे। नैतिक अधमता के अपराध से सम्बद्ध सिद्धांश व्यक्ति भी नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे।
12. वैवाहिक प्रस्थिति  
पुरुष, जिसकी एक से अधिक पत्नी जीवित हो अथवा ऐसी महिला जिसने ऐसे पुरुष से विवाह किया हो, जिसकी पहले से ही जीवित पत्नी हो, सेवा में किसी पद पर नियुक्ति की पात्र नहीं होगी;
13. शारीरिक योग्यता  
किसी भी ऐसे अभ्यासी को सेवा में किसी पद पर नियुक्त नहीं किया जायेगा, यदि वह शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं है और किसी ऐसे शारीरिक दोष से मुक्त नहीं होगा कि यदि सरकार का समाधान हो जाय कि ऐसा करने के लिए विशेष कारण है, तो वह किसी व्यक्ति को इस विनियम के प्रवर्तन से मुक्त कर सकती।

में ऊपर रखा जायेगा। आयोग सूची नियुक्ति प्राधिकारी को अग्रसारित करेगा।

उससे अधिक अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त कुल अंक बराबर हों तो आयु में उच्च अभ्यर्थी को सूची में अभ्यर्थियों को, जितनी वह नियुक्ति के लिए उचित समझे, संयुक्त करेगा। यदि दो या दो से अधिक अभ्यर्थी द्वारा प्राप्त अंकों से प्रकट हो, एक सूची तैयार करेगा और उतनी संख्या आवश्यकता की ध्यान में रखते हुए अभ्यर्थियों की योग्यताक्रम में, जैसा कि लिखित परीक्षा पिछड़े वर्ग तथा अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों को प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की प्रवृत्ति के परवर्त आयोग द्वारा विनियम 6 के अधीन अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य प्रतियोगितात्मक लिखित परीक्षा के परिणाम प्राप्त हो जाने और सारणीबद्ध कर लिये जाने के सरकार द्वारा आयोग के परामर्श से अवधारित मापदण्ड में उल्लिखित विषयों के जायेगा।

(2) आयोग द्वारा जारी प्रवेश-पत्र के बिना किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। आवेदन-पत्र भुगतान कर आयोग के सचिव से प्राप्त किये जा सकेंगे।

(1) प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने की अनुमति के लिए आयोग विहित प्रपत्र में आवेदन-पत्र सहायक लेखाकार के पद पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया -

15.

सीधी भर्ती की प्रक्रिया

के माध्यम से भर्ती जाने वाली रिक्तियों की सूचना उसे दी जायेगी।

श्रेणियों के लिए आरक्षित की जाने वाली रिक्तियों की संख्या अवधारित करेगा और आयोग उतराखण्ड राज्य के अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्ग तथा अन्य निर्युक्त प्राधिकारी वर्ष के दौरान भर्ती जाने वाली रिक्तियों की नियम 6 के अधीन

14.

रिक्तियों की अवधारणा

### भर्ती की प्रक्रिया

#### भाग 5

प्रस्तुत करना अपेक्षित नहीं होगा।

परन्तु यह कि पदोन्नति द्वारा नियुक्त अभ्यर्थी के लिए स्वरूपा प्रमाण-पत्र

करे;

गये मूल नियम 10 के अधीन बनाये गये नियमों के अनुसार स्वरूपा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत अपेक्षा की जायेगी की वह वितीय हस्ताक्षरितका खण्ड दो, भाग तीन के अध्याय तीन में दिये किसी अभ्यर्थी को नियुक्ति के लिए अन्तिम रूप से अनुमोदित किये जाने से पूर्व उससे यह है, जिसके कारण उसे अपने कर्तव्यों के दक्षतापूर्वक निर्वहन में हस्तक्षेप की सम्भावना हो।

## नियुक्ति

17. (1) उपविनियम (2) के अधीन रहते हुए नियुक्ति प्राधिकारी अभ्यर्थियों के नाम उस क्रम में लेकर, जिसमें वे विनियम 14, 15 अथवा 16 यथास्थिति, के अधीन बनायी गयी सूचियाँ में ही, नियुक्ति करेगा।

### नियुक्ति, परीक्षा, स्थायीकरण एवं ज्योत्सना

#### भाग 6

और उसे नियुक्ति प्राधिकारी को अग्रसारित करेगी।

- (5) वयन समिति वयन किये गये अभ्यर्थियों की, ज्योत्सना क्रम में एक पात्रता सूची तैयार करेगी भी कर सकती है।

- (4) वयन समिति उपविनियम (3) में निर्दिष्ट अभिलेखों के आधार पर अभ्यर्थियों का साक्षात्कार रखेगा और उसे निम्न-निम्न प्रकार की रिक्तियों की संख्या भी सूचित करेगा।

- (3) नियुक्ति प्राधिकारी, अभ्यर्थियों की पात्रता सूची को उनकी चरित्र-पत्रियाँ और उनसे सम्बन्धित ऐसे अन्य अभिलेखों के साथ जो उचित समझे जायें, वयन समिति के समक्ष

(ख) सभी प्रकार की रिक्तियों के लिए केवल एक पात्रता सूची तैयार की जायेगी।

दौरान होने वाली मौलिक या अस्थायी रिक्तियों की कुल संख्या अभिलेख है;

- (क) रिक्तियों की संख्या से भर्ती के वर्ष के प्रारम्भ के समय विद्यमान या भर्ती के वर्ष के

स्पष्टीकरण— इस विनियम के उपविनियम (ख) में :-

करेगा।

- (2) नियुक्ति प्राधिकारी, समय-समय पर यथासंशोधित जलराखण्ड (लोक सेवा आयोग के क्षेत्र स्तर का न हो, सदस्य के रूप में नाम-निर्दिष्ट करेगा।

कोई भी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का नहीं है तो नियुक्ति प्राधिकारी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति में से किसी एक अधिकारी को, जो संयुक्त सचिव से निम्न परन्तु यह कि यदि उपरोक्तानुसार गठित वयन समिति में अथवा व सदस्य में से

(ग) नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा नामित आयोग का विल निवृत्तक - सदस्य;

(ख) नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा नामित आयोग का एक वरिष्ठ अधिकारी - सदस्य

(क) नियुक्ति प्राधिकारी - अध्यक्ष;

होगा:-

- (1) लेखाकार पद पर प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति एक वयन समिति के माध्यम से अनुसूचित को लेखाकार के पद पर प्रोन्नति द्वारा भर्ती की प्रक्रिया -

16. पदोन्नति द्वारा भर्ती की प्रक्रिया

## स्वाधीकरण

19.

- (क) विहित विभागीय परीक्षा, यदि कोई है, उत्तीर्ण कर ली हो ;  
(ख) विहित प्रशिक्षण, यदि कोई है, सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया हो ;  
(ग) उसका कार्य और आवरण संतोषजनक बताया गया हो ;  
(घ) उसकी सत्यानिष्टा अधिप्रमाणित है ; तथा  
(ङ) नियुक्ति प्राधिकारी का समर्थान हो गया है कि वह स्वाधीकरण हेतु अन्यथा योग्य है।

- (5) नियुक्ति प्राधिकारी परीक्षा अवधि की समाप्ति के प्रयोजन हेतु उस निम्नतर सेवा को मिले जिसकी सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं, किसी प्रतिकर का हकदार नहीं होगा।  
(4) ऐसे परीक्षाधीन व्यक्ति, जिसे उपविनियम (3) के अधीन प्रत्यावर्तित कर दिया गया हो या सकंती।  
या यदि उसका किसी पद पर धारणाधिकार नहीं है, तो उसकी सेवाएं समाप्त की जा सकें।  
में असफल रहा है तो उसे उसके मूल पद पर, यदि कोई है, प्रत्यावर्तित किया जा सकेगा।  
द्वारा अपने अवसरों का प्रयोजन उपयुक्त नहीं किया गया है या अन्यथा समाप्त प्रदान करने परीक्षा अवधि की समाप्ति अथवा परीक्षा की बढ़ाई गयी अवधि में किसी परीक्षाधीन यदि नियुक्ति प्राधिकारी को प्रतीत होता है कि परीक्षा अवधि के दौरान किसी समय या अधिक और किसी भी परिस्थिति में दो वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाई जायेगी।  
परन्तु यह कि आपवादिक परिस्थितियों के सिवाय परीक्षा अवधि एक वर्ष से तक अवधि बढ़ाई गयी है, अवधि बढ़ा सकना है, जिसके कारण अभिलेखित करने होंगे।  
(2) नियुक्ति प्राधिकारी प्रथम-पृथक मामले में परीक्षा का दिनांक विनिर्दिष्ट करते हुए जब के लिए परीक्षाधीन रहेगा।

## परीक्षा

18.

- (1) सेवा या किसी स्वाधी पद पर या उसके विकल्प स्थित पर नियुक्त व्यक्ति 02 वर्ष की अवधि नाम उस संवत् में है, जिससे उन्हें पदोन्नत किया गया है, किया जायेगा।  
व्ययन में अवधारित ज्येष्ठता के आधार या उस कम में, यथास्थिति, जिस कम में उनका एक संयुक्त आदेश भी जारी किया जायेगा, जिसमें व्ययनित व्यक्तियों के नाम का उल्लेख यदि किसी व्ययन के सम्बन्ध में एक से अधिक नियुक्ति का आदेश जारी किया जाता है तो

7



(3) परिवीक्षा के दौरान ऐसे व्यक्ति का बतान, जो पहले से ही स्थायी सरकारी सेवा में है, राज्य

अवधि बतान वृद्धि के लिए नहीं मानी जायेगी।

अवधि बढ़ाई जाती है तो जब तक नियुक्ति प्राधिकारी अन्यथा निर्देश न दे, ऐसी बढ़ाई नहीं

परन्तु यह कि यदि समाधान प्रदान करने में असफल रहने के कारण परिवीक्षा

रहा है संगत मूल नियमों द्वारा विनियमित किया जायेगा।

(2) परिवीक्षा के दौरान ऐसे व्यक्ति का बतान, जो सरकार के अधीन पहले से ही पद धारण कर

अवधि बतान वृद्धि के लिए नहीं मानी जायेगी।

अवधि बढ़ाई जाती है तो जब तक नियुक्ति प्राधिकारी अन्यथा निर्देश न दे, ऐसी बढ़ाई नहीं

परन्तु यह कि यदि समाधान प्रदान करने में असफल रहने के कारण परिवीक्षा

अवधि पूर्ण किसे जाने तथा स्थायी किसे जाने पर दी जायेगी।

की अनुमति प्रदान की जायेगी तथा दूसरी बतान वृद्धि दो वर्ष की सेवा के पश्चात् परिवीक्षा

में उत्तीर्ण होने और प्रशिक्षण प्राप्त करने पर, उहाँ विहित हो, समयमान में पृथक बतान वृद्धि

सरकारी सेवा में नहीं है, तो उसे एक वर्ष की संतोषजनक सेवा पूरी करने, विभागीय परीक्षा

मूल नियमों में किसी प्रतिकूल प्रावधान के होते हुए भी परिवीक्षाधीन व्यक्ति, यदि स्थायी

परिवीक्षा अवधि में बतान

22.

(1)

(2) इस विनियमवली के प्रारम्भ के समय बतानमान परिशिष्ट 'क' में दिये गये हैं।

सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित किया जाय।

(1) सेवा में विभिन्न श्रेणियों के पदों पर नियुक्त व्यक्तियों को अनुज्ञेय बतानमान वह होगा जो

बतानमान

21.

(1)

### बतान आदि

#### भाग 7

भी जिससे उन्हें पदोन्नत किया गया है।

(2) पदोन्नति द्वारा नियुक्त व्यक्तियों की परस्पर ज्येष्ठता बही होगी, जो उनके पोषक संवर्ग में

का दिनांक माना जायेगा।

नियुक्ति आदेश का दिनांक माना जायेगा तथा अन्य मामले में इसे आदेश जारी किसे जाने

है, जिससे कोई व्यक्ति मूल रूप से नियुक्त किया जाता है तो वह दिनांक उसकी मौलिक

परन्तु यह कि यदि नियुक्ति आदेश में कोई पूर्ववर्ती दिनांक विनिर्दिष्ट किया जाता

जायेगी जिसमें उनके नाम उसकी नियुक्ति आदेश में क्रमांकित किसे जाते हैं;

अधिक व्यक्ति एक साथ नियुक्त किसे जाते हैं तो उनकी ज्येष्ठता उस क्रम में निर्धारित की

सेवक ज्येष्ठता नियमवली, 2002 के अनुसार अवधारित की जायेगी। यदि दो या उससे

(1) मौलिक रूप से नियुक्त किसी व्यक्ति की ज्येष्ठता यथा संशोधित उत्तराखण्ड सरकारी

ज्येष्ठता

20.

(1)

के कार्य से सम्बन्धित सामान्य सेवारत सेवकों पर लागू संज्ञा नियमों द्वारा विनियमित किया जायेगा।

## भाग 8

### अन्य प्राविधान

सेवा या पद के संबंध में लागू विनियमों के अधीन अधिष्ठित सिफारिश से भिन्न किसी अन्य सिफारिश पर घाटे लिखित हो या मौखिक विचार नहीं किया जायेगा। किसी अस्थायी और से अपनी अस्थिति के लिये प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन प्राप्त करने के प्रयास का प्रमाण उसे नियुक्ति के लिये अनर्ह कर देगा।

23. पक्ष समर्थन

24. अन्य विषयों का विनियमन

ऐसे विषयों के सम्बन्ध में, जो इन विनियमों या विशेष आदेशों के अन्तर्गत नहीं आते सेवा में नियुक्त ऐसे व्यक्ति राज्य के कार्यों से सम्बन्धित सेवारत सरकारी सेवकों पर साधारणतः लागू विनियमों और आदेशों द्वारा विनियमित होंगे।

25. सेवा शर्तों का शिथिलीकरण

यदि राज्य सरकार का समर्थन हो जाये कि सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की सेवा शर्तें विनियमित करने वाले किसी विनियम के प्रवर्तन से किसी विशेष मामले में अनुचित कठिनाई हो सकती है तो वे इस मामले में लागू नियमावली में किसी बात के होते हुए भी आदेश द्वारा इस सीमा तक तथा ऐसी शर्तों के अधीन इस विनियम की अपेक्षाओं से अभिमुक्त कर देगी या शिथिल कर देगी जो वह मामले के सम्बन्ध में न्यायानुचित तथा सामान्यतःपूर्वक कार्रवाही करने के लिए उचित समझे।

परन्तु यह कि जहाँ कोई विनियम आयोग के परामर्श से बनाया गया है, वहाँ विनियम की अपेक्षाओं से अभिमुक्त करने या शिथिल करने से पूर्व आयोग से परामर्श करना होगा।

26. व्याप्ति

इस विनियमावली की किसी बात का कोई प्रभाव ऐसे आरक्षण और अन्य रियायतों पर नहीं पड़ेगा जिनका इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार उत्तराखण्ड राज्य की अनुसूचित जातियाँ, अनुसूचित जातियाँ, अन्य पिछड़े वर्ग तथा अन्य विशेष श्रेणियों के अस्थायी के लिए उपबोधित किया जाना अपेक्षित हो।

आज्ञा से,  
(उपलब्ध कुमार सिंह)  
प्रमुख सचिव।

क्रम सं०	पद का नाम	वेतनमान (रु० में)	पदों की संख्या	स्थायी	अस्थायी	कुल योग
1	2	3	4	5	6	
1.	सहायक लेखाकार	5200-20200 ग्रेड पे 2800	—	02	02	02
2.	लेखाकार	9300-34800 ग्रेड पे 4200	—	01	01	01

[कृपया विनियम 4 का उपविनियम (2) तथा विनियम 21 का उपविनियम (2) देखें]

परिशिष्ट 'क'

(10)

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of "the Constitution of

"India", the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification No. 384/XXX(2)/2010 Dated 16/3/2011 for general information.

Government of Uttarakhand  
Personnel Department-2  
No. 384 /XXX(2)/2010  
Dehradun: Dated: 16 March, 2011

## Notification

In exercise of the powers conferred by the Article 318 of "the Constitution of India" and in the superannuation of all existing regulations and orders on the subject, the Governor is pleased to make the following regulations regulating recruitment and the condition of service of persons appointed to the Uttarakhand Public Service Commission Accountant and Assistant Accountant Service.

## THE UTTARAKHAND PUBLIC SERVICE COMMISSION ACCOUNTANT AND ASSISTANT ACCOUNTANT SERVICE REGULATIONS, 2011

### PART-I

#### General

<b>Short title and commencement</b>	1.	(1) These regulations may be called the Uttarakhand Public Service Commission Accountant and Assistant Accountant Service Regulations, 2011. (2) They shall come in to force at once.
<b>Status of Service</b>	2.	The service of Uttarakhand Public Service Commission Accountant Cadre is a such State service comprising of Group "C" Posts.
<b>Definitions</b>	3.	In these regulations unless there in anything repugnant in the subjects or context- (a) "Appointing Authority" means the Secretary, Uttarakhand Public Service Commission; (b) "Citizen of India" means, a person, who is or is deemed to

<p>(1) The strength of the service and of each category of number of posts shall be such as may be determined by the Government from time to time.</p> <p>(2) The strength of the service and of each category of posts therein shall, until orders varying the same are passed under sub-regulation (1), be as given at <b>annexure "A"</b>;</p>	<p>4.</p>	<p><b>Cadre of Service</b></p>
<p><b>PART-II</b></p> <p><b>Cadre</b></p> <p>be a citizen of India under Part II of "the Constitution of India;"</p> <p>(c) "Commission" means Uttarakhanda Public Service Commission;</p> <p>(d) "Constitution" means "the Constitution of India";</p> <p>(e) "Government" means the State Government of Uttarakhanda;</p> <p>(f) "Governor" means the Governor of Uttarakhanda;</p> <p>(g) "Member of cadre" means a person substantively appointed under the regulations or the regulation or order in force prior to the commencement of these regulations, to a post in the cadre of the Service;</p> <p>(h) "Service" means Uttarakhanda Public Service Commission Account Cadre;</p> <p>(i) "Substantive Appointment" means an appointment not being <i>an adhoc</i> appointment on a post in the cadre of the Service, made after selection in accordance with the regulations and, if there is no regulations, in accordance with the procedure prescribed for the time being by executive instruction issued by the Government; and</p> <p>(j) "Year of recruitment" means a period of twelve months commencing from the First day of July of a calendar year.</p>		

Age	10.	A candidate for direct recruitment must have attained the
Preferential Qualifications	9.	<p>A candidate, who has -</p> <p>(a) served in the Territorial Army for a minimum period of two years; or</p> <p>(b) obtained a 'B' Certificate of National Cadet Corps shall other thing being equal, be given preference in the matter of direct recruitment.</p>
Education Qualifications	8.	<p>A candidate for recruitment to the various posts in the service must possess the following qualifications :-</p> <p>Assistant Accountant -</p> <p>(a) B.com or Post Graduate Diploma in Accountancy and 'O' level certification of operation on computer, 5000 Key-depression per hour speed on computer be must;</p> <p>(b) knowledge of Hindi in Devnagiri Script.</p>
		<p>Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) with the intention of permanently settling in India;</p> <p>Provided that a candidate belonging to category (b) or (c) must be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the State Government;</p> <p>Provided further that a candidate belonging to category (b) will also be required to obtain a Certificate of eligibility granted by the Inspector General of Police, Intelligence Bureau of Uttarakhand.</p> <p><b>NOTE-</b> A candidate in whose case a Certificate of eligibility is necessary but the same has neither been issued nor refused may be admitted to an Examination or Interview and he may also be provisionally appointed subject to the necessary Certificate being obtain by him or issued in his favour.</p>

<p>Provided that -</p> <p>(a) the appointing authority may leave unfilled or the Governor may hold in abeyance any vacant post without there by entitling any person to compensation; or</p> <p>(b) the Governor may create such additional permanent or temporary post, as he may consider proper.</p>		
<p><b>PART-III</b></p> <p><b>Recruitment</b></p>		
<p>Recruitment to the various categories of posts in the Service shall be made from the following sources :-</p> <p>(a) Assistant Accountant— by direct recruitment through Commission;</p> <p>(b) Accountant—by promotion through Departmental Selection Committee amongst from such substantially appointed Assistant Accountants, who have completed 05 years service as such on the first day of the year of recruitment on passed departmental examination.</p>	<p>5.</p>	<p><b>Source of Recruitment</b></p>
<p>Reservation for the candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes and other categories of the State of Uttarakhand shall be in accordance with orders of the Government in force at the time of recruitment.</p>	<p>6.</p>	<p><b>Reservation</b></p>
<p><b>PART-IV</b></p> <p><b>Qualification</b></p>		
<p>A candidates for direct recruitment to a post in the Service must be;</p> <p>(a) a citizen of India;</p> <p>(b) a Tibetan refugee who came over to India before January 01, 1962 with the intention of permanently settling in India; or</p> <p>(c) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, or any of the East African countries of</p>	<p>7.</p>	<p><b>Nationality</b></p>

<p><b>Physical Fitness</b></p>	<p>13.</p>	<p>No candidate shall be appointed to a post in the service unless he be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of his</p>
<p><b>Marital Status</b></p>	<p>12.</p>	<p>A male candidate, who has more than one wife living or a female candidate, who has married a man already having a wife living shall not be eligible for appointment to a post in the Service; Provided that the Government may, If satisfied that there exist special reason for doing so, exempt any person from the operation of the regulation.</p>
<p><b>Character</b></p>	<p>11.</p>	<p>The character of a candidate for direct recruitment to a post in Service must be such as to render him suitable in all respects for employment in Government Service. The appointing authority shall, satisfy itself on this point.</p> <p><b>NOTE-</b> Person dismissed by the Union Government or any state owned or controlled by the Union Government or a State government shall be ineligible for appointment to any post in the Service. Person convicted of an offence involving moral turpitude shall also be ineligible.</p>
		<p>minimum age of Twenty-one years must not have attained the age of more than Thirty-five years on January 1 of the year in which recruitment is to be made, if the posts are advertised during the period January 1 to June 30 and on July 1 if the posts are advertised during the period July 1 to December 31;</p> <p>Provided that the upper age limit in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes and such other categories to the State of Uttarakhand, as may be notified by the Government from time to time, shall be greater by such number of years as may be specified.</p>



<p>Procedure of direct recruitment on the posts of Assistant Accountant -</p> <p>(1) Application for being considered for selection shall be called by the Commission in the prescribed form, which may be obtained from the Secretary to the Commission on payment.</p> <p>(2) No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission, issued by the Commission.</p> <p>(3) After the results of the written examination has been received and tabulated, with the consultation of the Commission fixed syllabus by the Government in mentioned subject of competitive examination, the Commission shall, having regard to the need for securing due representation of the candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes and other categories of candidates under regulation 6, recommend for appointment such number of candidates as on the result of the</p>	<p>15.</p>	<p>Procedure for Direct Recruitment</p>
<p>The appointing authority shall determine the number of vacancies to be filled during the course of the year of recruitment, as also the number of vacancies to be reserved for the candidate belonging to the Scheduled Castes, Schedule Tribe and other categories to the State of Uttarakhand, under regulation 6 and shall intimate the information to the Commission.</p>	<p>14.</p>	<p>Determination of vacancies</p>
<p><b>PART-V</b> <b>Procedure for Recruitment</b></p>		
<p>duties. Before a candidate is finally approved for appointment, he shall be required to produce a Medical Certificate of fitness in accordance with the regulations framed under fundamental rule 10, contained in chapter III of the Financial Hand Book Volume II Part III;</p> <p>Provided that a medical certificate of fitness shall not be required from a candidate recruited by promotion.</p>		

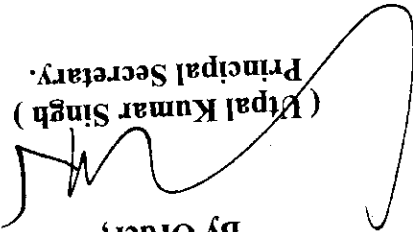
<p>written examination. If two or more candidates obtained equal marks, than the senior candidate in age shall be placed higher on the list. The commission shall forwarded the list to the appointing authority</p>		
<p>Procedure of recruitment by promotion on the post of Accountant-</p> <p>(1) Recruitment by promotion shall be made on the basis of seniority subject to the rejection of unfit, which comprises as follows :-</p> <p>(a) 'appointing authority' -- <b>Chairman;</b></p> <p>(b) a senior officer of commission nominated</p> <p>(c) by the appointing authority -- <b>Member;</b></p> <p>finance controller of commission nominated</p> <p>by the appointing authority -- <b>Member;</b></p> <p>Provided that if in the such constituted selection committee, the concerning person of each of Schedule Caste/ Schedule Tribes and Other Backward Classes in not incorporate, than such Castes or Tribes and Classes, who have not representation in the Selection Committee, from any concerning officer, who is not less than the rank of Joint Secretary shall be nominated as member of selection committee.</p> <p>(2) The Appointing Authority, shall prepare a eligibility list according to the Uttarakhand Promotion by Selection in Consultation with the Public Service Commission (Procedure) Regulations, 2003 as amended from time to time.</p> <p><b>Explanation—</b> in sub-regulation (b) of these regulation -</p> <p>(a) the number of vacancies means the total number of vacancies whether substantive or temporary vacancies to be filled during the year of recruitment or existing vacancies in the time of commencement of the recruitment of years;</p> <p>(b) for all type of vacancies the only one eligibility list shall be</p>	<p>16.</p>	<p><b>Procedure of Recruitment by Promotion</b></p>

	<p><b>Probation</b></p>	
<p>18. (1) A person on substantive appointment to a post in the service shall be placed on probation for a period of two years.</p> <p>(2) The appointing authority may, for reasons to be recorded, extend the period of probation in individual cases specifying the date up to which the extension is granted;</p> <p>Provided that have in exceptional circumstances, the period of probation shall not be extended beyond one year and in</p>		
<p><b>Appointment</b></p>		<p>17. (1) The appointing authority shall make the appointments by taking the name of candidates in the order, in which they stand in the list prepared under regulation 14, 15 or 16 as the case may be.</p> <p>(2) If more than one or more orders of appointment are issued in respect of any one selection, a combined order shall also be issued, mentioning the name of the persons in order of seniority as determined in the selection or as determined, as the case may be or as it is stood in the cadre from which they are promoted.</p>
<p><b>PART-VI</b></p> <p><b><u>Appointment, Probation, Confirmation and Seniority</u></b></p>		
		<p>(3) The Appointing Authority shall prepare an eligibility list of the candidates and place it before the selection committee along with there character roles and such other records, pertaining to them, as may be considered proper and shall intimate number of different type of vacancies.</p> <p>(4) The Selection Committee shall consider the candidate on the basis of there records refer to in sub-regulation (3), it may interview the candidates also.</p> <p>(5) The Selection Committee shall prepare a eligibility list in order of seniority of the selected candidates and shall forward to the appointing authority.</p>

<p>(1) The Seniority of persons substantively appointed in any category of posts shall be determined in accordance with the Uttarakhand Government Servants Seniority Regulations, 2002, as amended from time to time;</p>	<p>20.</p>	<p>Seniority</p>
<p>(1) A probationer shall be confirmed in his appointment at the end of the period of probation of the extended period of probation, if -</p> <p>(a) he has passed the prescribed departmental examination; if any;</p> <p>(b) he has successfully undergone the prescribed training, if any;</p> <p>(c) his work and conduct is reported to be satisfactory;</p> <p>(d) his integrity is certified; and</p> <p>(e) the appointing authority is satisfied that he is otherwise fit for confirmation.</p>	<p>19.</p>	<p>Confirmation</p>
<p>(3) If it appears to the appointing authority at any time during or at the end of the period of probation or extend period of probation that a probationer has not made sufficient use of his opportunities or has otherwise failed to give satisfaction, he may be reverted to his sustentative post, if any, and if he does not hold a lien on any post, his services may be dispensed with.</p> <p>(4) A probationer, who is reverted or whose services are dispensed with under sub-regulation (3) shall not be entitled to any compensation.</p> <p>(5) The Appointing Authority may allowed continuous service rendered in an officiating or temporary capacity on a post included in the cadre or any other equivalent or higher post to be taken in to account for the purpose of computing the period of probation.</p>		

<p>(2) The Seniority <i>inter se</i> of persons appointed by promotion shall be the same as it was in the cadre from which they were promoted.</p>	<p><b>Part - VII</b> <b>Pay etc.</b></p>		<p>(1) The Scale of pay admissible to persons appointed to the various categories of posts in the service, whether in a substantive or officiating capacity or as a temporary measure, shall be such as may be determined by the Government from time to time.</p> <p>(2) The Scales of pay at the time of commencement of these regulations shall be, as indicated at Annexure "A".</p>	<p>(1) Notwithstanding any provision in the Fundamental Rule to the contrary, a person on probation, if he is not already in permanent Government service, shall be allowed his first increment in time scale when he has completed one year of satisfactory service has passed departmental examination and undergone training, where prescribed, and second increment after two years service when he has completed the probationary period and is also confirmed;</p> <p>Provided that if the period of probation is extended on account of failure to give satisfaction such extension shall not count for increment unless the appointing authority directs otherwise.</p> <p>(2) The pay during probation of a person who was already holding a post under the Government shall be regulated by the relevant</p>
--	--	--	--	--

<p>Fundamental Rules;</p> <p>Provided that if the period of probation is extended on account of failure to give satisfaction, such extension shall not count for increment.</p> <p>(3) The pay during probation of a person already in permanent Government service shall be regulated by the relevant regulation, applicable generally to Government servants serving in connection with the affairs of the State.</p>	<p><b>PART - VII</b></p> <p><b><u>Other Provisions</u></b></p>		<p>23.</p> <p>No recommendation either written or oral other than those required under the regulations applicable to the post or service will be taken into consideration. Any criteria of attempt on the part of a candidate to enlist support directly for this candidature will disqualify him for appointment.</p>	<p>24.</p> <p>In regard to the matters not specially conveyed by these regulations or special orders, persons appointed to the service shall be governed by the regulations, regulations and orders applicable generally to the Government servants serving in connection with affairs of the State.</p>	<p>25.</p> <p>Where the State Government is satisfied that the operation of any regulation regulating the conditions of service of persons appointed to the service causes undue hardship in any particular case, it may, notwithstanding anything contained in the regulations applicable to the case, by order dispense with or relax the requirements of that regulation to such extent and subject to such condition, it may consider necessary for dealing with case in a just an equitable manner;</p>	<p><b>Relaxation from the conditions of service</b></p> <p><b>Regulation of other matters</b></p> <p><b>Canvassing</b></p>
---	--	--	--	--	--	--

By Order:  
  
(Vipal Kumar Singh)  
Principal Secretary.

<b>Savings</b>	26.	<p>Nothing in these regulations shall affect reservations and other concessions required to be provided for the candidate belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other special categories of persons to the State of Uttarakhand in accordance with the order of the Government issued from time to time in this regard.</p>
		<p>Provided that where a regulation has been framed in consultation with the Commission, that body shall be consulted before the requirements of the regulation are dispensed with or relaxed.</p>

# Annexure 'A'

[Please see sub-regulation (2) of regulation 4 and sub-regulation (2) of regulation 21]

S. No.	Name of Post	Pay (Rs.)	Number of posts		Total
			Permanent	Temporary	
1	2	3	4	5	6
1	Assistant Accountant	5200-20200 Grade Pay- 2800	--	02	02
2	Accountant	9300-34800 Grade Pay- 4200	--	01	01